

LABOUR DEPARTMENT

The 18th August, 1994

No. 11/143/94-4 Lab.—Whereas in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, public interest so requires that transport for the carriage of passengers and goods, viz. Haryana Roadways, Haryana Roadways Engineering Corporation and Government Central Workshop and Ministers Car Section in the State of Haryana, specified in the First Schedule to the said Act be declared a public utility service;

And whereas the Governor of Haryana is satisfied that such transport be declared a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Governor of Haryana hereby declares Haryana Roadways, Haryana Roadways Engineering Corporation and Government Central Workshop and Ministers Car section for the carriage of passengers and goods in the State of Haryana to be public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the date of publication of this notification in the Official Gazette,

P. R. KAUSHIK,

Commissioner & Secretary to Government Haryana,
Labour & Employment Department.

श्रम विभाग

दिनांक 18 अगस्त, 1994

संख्या 11/143/94-4 श्रम.—चूंकि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 2 के खण्ड (क) के उप-खण्ड (ग) के उपबंधों के अनुसरण में लोक हित में ऐसा अपेक्षित है कि हरियाणा राज्य में यात्रियों तथा माल के वहन के लिए परिवहन अर्थात् हरियाणा रोडवेज, हरियाणा रोडवेज इंजीनियरिंग निगम तथा राजकीय केन्द्रीय कर्मशाला तथा मन्त्री कार अनुभाग, जो उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं, लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाए;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की संतुष्टि हो गई है कि उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए ऐसा परिवहन, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से छह मास की अवधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाए ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 2 के खण्ड (क) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा राज्य में यात्रियों तथा माल के वहन के लिए हरियाणा रोडवेज, हरियाणा रोडवेज इंजीनियरिंग निगम तथा राजकीय केन्द्रीय कर्मशाला और मन्त्री कार अनुभाग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से छह मास की अवधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करते हैं ।

पी० आर० कौशिक,

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।